



CSIR

RRR

सीएसआईआर-सीआरआरआई समाचार पत्रिका

इस अंक में

इतिहास के पन्नों से – भाग 4
– पृष्ठ 1

प्रमुख परियोजनाओं की

जानकारी

– पृष्ठ 2

बैठक / कार्यशाला / सम्मेलन

– पृष्ठ 6

सम्मान और पुरस्कार

– पृष्ठ 15

नए उपकरण / सुविधाएं

– पृष्ठ 17

राजभाषा गतिविधियां

– पृष्ठ 18

दिए गए व्याख्यान / आमंत्रित
वार्ता

– पृष्ठ 21

आयोजित समारोह

– पृष्ठ 22

समझौता ज्ञापन / समझौते /
पेटेंट

– पृष्ठ 27

आगंतुक

– पृष्ठ 28

प्रशिक्षण कार्यक्रम

– पृष्ठ 30

नए विभागाध्यक्ष / नियुक्ति /
स्थानांतरण

– पृष्ठ 32

सेवानिवृत्ति

– पृष्ठ 33

समाचारों में

सीएसआईआर-सीआरआरआई

– पृष्ठ 34



अंक संख्या – 57, अप्रैल 2018 – सितंबर 2018

वेबसाइट – <http://www.crridom.gov.in>

इतिहास के पन्नों से – भाग 4

1970 के दशक के दौरान सीआरआरआई में किए गए अग्रणी अनुसंधान एवं विकास कार्यों के परिणामस्वरूप कंक्रीट सड़कों और हवाई पट्टियों के कुट्टिमों की शीघ्र मरम्मत के लिए सिंथेटिक राल (रेजिन) का उपयोग किया जाने लगा। भारत में कंक्रीट कुट्टिमों के रखरखाव के क्षेत्र में यह एक बड़ी सफलता थी। हमारे वैज्ञानिकों के तकनीकी मार्गदर्शन में इस तकनीक का उपयोग कई हवाई पट्टियों के लिए किया गया। सैनिक इंजीनियरी सेवा (एमईएस) ने इस तकनीक को हवाई पट्टियों की कुट्टिम मरम्मत के लिए एक नियमित विनिर्देश के रूप में अपनाया एवं तत्पश्चात इसे आईआरएस दिशानिर्देशों में भी शामिल किया गया।



राल मोर्टार से कोना स्पॉल की मरम्मत

कंक्रीट सड़कों के क्षेत्र में एक अन्य ऐतिहासिक अध्ययन पूर्वनिर्मित कंक्रीट ब्लॉक कुट्टिम (पीसीबीपी) पर था, जिसे संस्थान द्वारा विकसित किया गया। रेतीली उपश्रेणी पर बिछाने के लिए षट्कोण (हेक्सागोनल) कंक्रीट ब्लॉक विकसित किए गए। ब्लॉक को सही स्थान पर रखने एवं एक सतत सतह बनाने के लिए एक मजबूत डॉवेल बार प्रणाली को भी डिजाइन किया गया। डामरीय कुट्टिम की तुलना में इन ब्लॉक कुट्टिमों का जीवन चक्र लागत कम था, हालांकि प्रारंभिक लागत अधिक थी।



रेतीले भूभाग के लिए षट्कोण ब्लॉकों के साथ विशेष पूर्वनिर्मित कंक्रीट कुट्टिम

1970 के दशक में सुनम्य कुट्टिम निर्माण के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण कार्य हुए। चलते हुए यातायात के कारण स्लैब में होने वाले बड़े आयाम के कंपन को राकेने के लिए सेतु डेक स्लैब के लिए मास्टिक एस्फाल्ट सतहीकरण का विकास किया गया। दिल्ली में यमुना सेतु और कोलकाता में विवेकानंद सेतु पर इसे सफलतापूर्वक स्थापित किया गया।

अतिभारण (ओवरलोडिंग) और उच्च यातायात परिमाण के कारण कुट्टिम को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए मास्टिक एस्फाल्ट बहुत प्रभावी मिश्रण पाया गया। सत्तर के दशक के दौरान दिल्ली और मुंबई के अधिकांश चौराहों पर मास्टिक एस्फाल्ट को बिछाया गया। मास्टिक एस्फाल्ट की ताजी बिछी सतह पर मिलावे की संशोधन (ग्रापिटंग) के द्वारा फिसलन रोधक सतह भी प्रदान की गई।



कंपन और विक्षेपण के प्रभावों का मुकाबला करने के लिए ब्रिज डेक के लिए मैस्टिक डामर सतहीकरण का उपयोग

देश में ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए 1970 के दशक में सीआरआरआई द्वारा ट्रैक्टर बाउंड प्रौद्योगिकियों का विकास किया गया। यह उपलब्ध स्थानीय संसाधनों के साथ ग्रामीण सड़क निर्माण को यंत्रीकृत करने का प्रयास था। कृषि तथा अन्य उपकरणों को खींचने के लिए ट्रैक्टर का उपयोग प्रमुख साधन के रूप में किया गया, जिसका उपयोग सड़क निर्माण के विभिन्न कार्यों को संपन्न करने के लिए किया जा सकता है। इन प्रौद्योगिकियों के परिणामस्वरूप न केवल किफायती एवं तीव्र निर्माण हुआ, बल्कि बेहतर गुणवत्ता वाली सड़कों का भी निर्माण संभव हुआ।



सीआरआरआई द्वारा विकसित कुछ ट्रैक्टर बाउंड प्रौद्योगिकियां

उपर्युक्त के अतिरिक्त, कंक्रीट कुट्टिम निर्माण की गुणवत्ता बढ़ाने एवं उनके प्रदर्शन में सुधार करने के लिए हमारे वैज्ञानिकों द्वारा अन्य अर्ध-यंत्रीकृत उपकरणों को भी विकसित किया गया।

सतीश चंद्र
निदेशक

प्रमुख परियोजनाओं की जानकारी

बुलंदशहर विकास प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर में मौजूदा सड़कों का मूल्यांकन

संस्थान ने बुलंदशहर विकास प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर में स्थित मौजूदा सड़क नेटवर्क के मूल्यांकन एवं आकलन के लिए अध्ययन किया है। इस परियोजना को सचिव, बुलंदशहर विकास प्राधिकरण(बीडीए)

के द्वारा सीएसआईआर-सीआरआरआई को प्रदान किया गया। कार्य के कार्यक्षेत्र का आकलन करने के लिए जून, 2018 में स्थल का प्रारंभिक दौरा किया गया। परियोजना प्रगति पर है तथा स्थलों की कुछ तस्वीरें नीचे प्रस्तुत की गई हैं।



40 मीटर आरओडब्ल्यू सड़क का प्रारूपिक दृश्य



18 मीटर आरओडब्ल्यू सड़क की बिगड़ी हुई स्थिति

राजपथ, नई दिल्ली के पुनःपृष्ठन के लिए गुणवत्ता लेखा परीक्षा और पर्यवेक्षण

अध्ययन का उद्देश्य परियोजना सड़कों (राजपथ और अमर जवान ज्योति को जोड़ने वाली आस-पास की सड़कों) के मौजूदा सड़क स्तर को कम करना है। वर्तमान अध्ययन में राजपथ और अमर जवान ज्योति ऐतिहासिक संरचना को जोड़ने वाली आसपास की सड़कों के पेषण एवं पुनःपृष्ठन का पर्यवेक्षण तथा



पेषित (मिल्ड) सतह का प्रारूपिक दृश्य

गुणवत्ता लेखा परीक्षा शामिल है। पेषण एवं सतह बिछाने का कार्य प्रगति पर है तथा काम की आवश्यकताओं के अनुसार, सीएसआईआर-सीआरआरआई टीम लगातार स्थल का दौरा कर रही है। स्थल की कुछ प्रारूपिक तस्वीरें नीचे प्रस्तुत की गई हैं।



पेषण के बाद उजागर दानेदार परत का प्रारूपिक दृश्य

सड़क धूल उत्सर्जन के नियंत्रण के लिए धूल नियंत्रक के मूल्यांकन पर पायलट अध्ययन

मैसर्स निटो डेंको इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने सड़क की धूल को रोकने के लिए एक सामग्री का निर्माण किया है तथा इस प्रकार धूल कण के पुनः निलंबन को रोकने और वायु गुणवत्ता में सुधार करने का उन्होंने दावा किया है। चूंकि, सड़क धूल नियंत्रक एजेंट का अनुप्रयोग धूल का पुनः निलंबन रोकेगा, किन्तु तरल एजेंट होने तथा एक साथ कई दिनों तक कुट्टिम पर रहने के कारण आशंका है कि यह कुट्टिम के घर्षण मापदंडों को भी प्रभावित कर सकता है। विकसित सड़क धूल नियंत्रक एजेंट के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए फर्म ने सीएसआईआर-नीरी और सीएसआईआर-सीआरआरआई से अध्ययन के संचालन की संभावना के लिए अनुरोध किया, जिसमें फिसलन प्रतिरोध



बीपीटी का उपयोग करके प्रयोग की चालकता दिखाता हुआ चित्र

अध्ययन भी शामिल हैं। इसके लिए 19 फरवरी, 2018 को सीएसआईआर-सीआरआरआई, नई दिल्ली में एक सहयोगात्मक त्रि-पक्षीय गैर-प्रकटीकरण समझौता (एनडीए) पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रयोग संपन्न करने के लिए धूल नियंत्रक एजेंट की मात्रा, धूल नियंत्रक एजेंट की सघनता तथा धूल भारण दर को इष्टतम बनाने के लिए, इन तीन मापदंडों के विभिन्न संयोजनों का उपयोग किया गया। निम्नलिखित चित्रों में सीएसआईआर-सीआरआरआई द्वारा ब्रिटिश पेंडुलम परीक्षक के उपयोग से फिसलन प्रतिरोध परीक्षण के दृश्य दिखाए गए हैं।

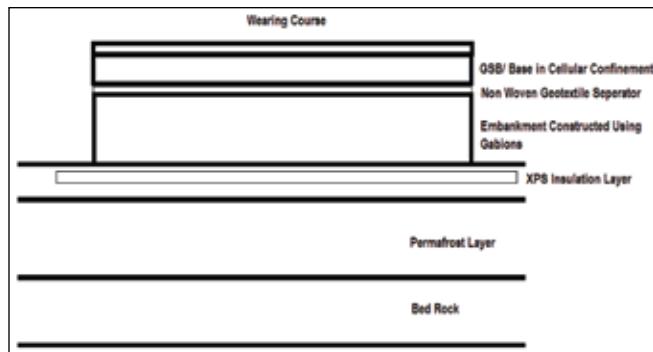


धूल नियंत्रक के मूल्यांकन के लिए स्थल परीक्षण दिखाता हुआ चित्र

जियोसिंथेटिक का उपयोग करके अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में संधारणीय सड़क कुट्टिम

वर्तमान अध्ययन जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण और संधारणीय विकास संस्थान द्वारा प्रायोजित है। सड़क कुट्टिमों का प्रदर्शन, कुट्टिम परतों की सामर्थ्य और कठोरता से नियंत्रित होता है। अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सड़क निर्माण के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है। अभाव की वर्तमान स्थिति ने उपयोगकर्ताओं को लंबी दूरी से, यहां तक कि मैदानी इलाकों से भी अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री लाने के लिए प्रेरित किया है। इतनी लंबी दूरी के लिए सामग्री का परिवहन महंगा एवं ऊर्जा व्यय करने वाला कार्य है। इस समस्या का एक व्यावहारिक समाधान स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करना होगा, जो उनकी निम्न गुणवत्ता के कारण “सीमांत मिलावा” के रूप में माने जा सकते हैं। स्थानीय स्तर पर उपलब्ध/सीमांत सामग्रियों का उपयोग करते हुए, अधिक ऊंचाई पर निर्मित सड़कों के लिए संतोषजनक कुट्टिम संरचना प्रदान करने के उद्देश्य से इस परियोजना प्रस्ताव को

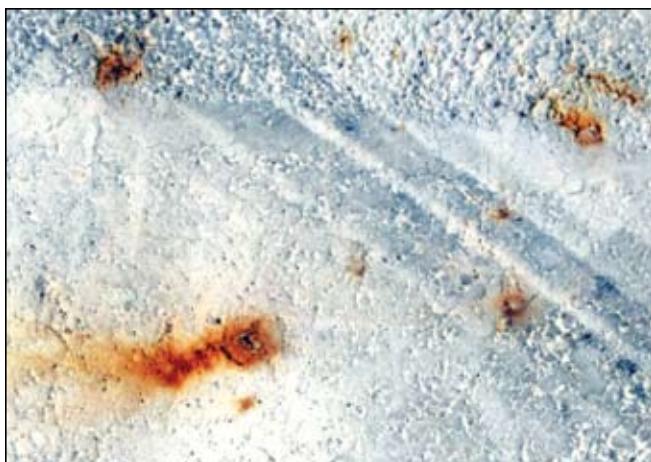
रखा गया है। बहुत अधिक ऊंचाई पर निर्माण के लिए सड़क पार खंड का एक प्रारूपिक योजनाबद्ध दृश्य (समुद्र तल से 4,600 मीटर (15,000 फीट) की ऊंचाई) नीचे दिखाया गया है। स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का उपयोग जियोसेल तथा गेबियन में भराव सामग्री के रूप में किया जाएगा।



सिलचर विमानपत्तन पर धावनपथ की सतह पर जंग के धब्बे की जांच

धावनपथ पर हाल ही में बिछाई गई सतह पर जंग के अनेक धब्बे नजर आ रहे हैं। जंग के कारण निर्धारित करने के लिए धावनपथ के ऊपर से मिश्रण और समुच्चय के नमूने/आधार खंडों का परीक्षण किया गया।

लौह (पाइराइट) सामग्री परीक्षण से जंग के धब्बों तथा तत्पश्चात् क्षति के लिए मेघालय मिलावा कारक है। इसके अतिरिक्त,



धावनपथ पर जंग के धब्बे

आईटीएस (अप्रत्यक्ष तन्यता सामर्थ्य) और एमआईएसटी (नमी प्रेरित स्ट्रिपिंग टेस्ट) परिणाम बताते हैं कि यह मिश्रण नमी से अत्यधिक प्रभावित होता है, जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि इन मिलावों से निर्मित मिश्रण नमी जनित क्षति के लिए अतिसंवेदनशील है। इस कारण यह एक कमज़ोर संरचना है, कुछ दिनों के बाद जिसकी आकृति और अखंडता दोनों ही क्षतिग्रस्तक हो जाती है।



सड़क निर्माण में “फेरोक्रोम धातुमल के उपयोग” पर व्यवहार्यता अध्ययन

अच्छी गुणवत्ता वाले मिलावे के तेजी से घटते भंडार और हमेशा बढ़ती मांग के कारण, सरकार की ओर से हाल ही में इसमें हस्तक्षेप किया गया है। कई स्थानों पर प्राकृतिक मिलावे के उत्थनन पर प्रतिबंध तथा निर्माण गतिविधियों में औद्योगिक कचरे के उपयोग के लिए प्रोत्साहन ने सड़क निर्माण गतिविधियों के लिए वैकल्पिक सामग्री की खोज करने की पहल को गति दी है।

सीएसआईआर-केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान(सीआरआरआई) हमेशा सड़क निर्माण में विभिन्न औद्योगिक कचरे पर अध्ययन करने के लिए और उनके संभावित उपयोग के लिए अग्रणी रहा है। इस प्रयास में, हाल ही में, फेरो मिश्रधातु उद्योग से निकलने वाले कचरे को सफलतापूर्वक विभिन्न कुट्टिम परतों (जीएसबी, डब्लूएमएम, डीबीएम और बीसी) में विभिन्न रूपों में फेरो क्रोम धातुमल के उपयोग की व्यवहार्यता दिखाते हुए फेरोक्रोम धातुमल

के प्रयोगशाला मूल्यांकन को पूरा किया गया। क्षेत्र में वास्तविक प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए, फेरो क्रोम धातुमल का उपयोग करके परीक्षण खंड बिछाने का कार्य पूर्ण हो गया है।



भारतीय मानकों और सिफारिश के अनुसार भावी उपयोग के लिए स्थल की वास्तविक स्थिति में निर्दिष्ट अवधि के लिए फेरोक्रोम धातुमल का प्रदर्शन मूल्यांकन किया जाना है।



सड़क निर्माण में फेरोक्रोम धातुमल

मध्य मार्ग, चंडीगढ़ में सड़क के स्तर को बनाए रखने के लिए पुनर्वास और भूमि-सुधार के विस्तार की संभावना का पता लगाने के लिए मौजूदा कुट्टिम की जांच

सीआरआरआई की एक टीम ने 10/5/18 को चंडीगढ़ में स्थल का दौरा किया एवं स्थल अनवेषण किए। सामग्री का और अधिक मूल्यांकन करने और कुट्टिम डिजाइन के लिए विभिन्न

परतों से नमूने एकत्र करके सीआरआरआई को भेजे गए, यातायात डेटा भी एकत्र किया गया। सामग्री मूल्यांकन और डिजाइन का काम प्रगति पर है।



सीआरआरआई टीम द्वारा स्थल जांच

अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की जानकारी

- अलग-अलग कुट्टिम परतों में फेरो क्रोम धातुमल के उपयोग की व्यवहार्यता दिखाते हुए टाटा स्टील के फेरो मिश्र धातु उद्योग से निकलने वाले कचरे अर्थात् फेरो क्रोम धातुमल का हाल ही में प्रयोगशाला मूल्यांकन किया गया। जून, 2018 में टाटा फेरो मिश्र धातु संयंत्र, बामनीपाल, ओडिशा की सड़क को दानेदार और बिटुमिनस दोनों परतों के निर्माण के लिए फेरो क्रोम धातुमल का उपयोग करके तैयार किया गया। आवधिक प्रदर्शन मूल्यांकन किया जाएगा।



- पॉलिमर संशोधित इमल्शन आधारित रिज्यूवनर को निवारक रखरखाव के रूप में धावनपथ के कायाकल्प के लिए उपयोग किया जाता है। इस उत्पाद के काल प्रभावन और नमी प्रतिरोध के संदर्भ में प्रयोगशाला मूल्यांकन सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त, कुट्टिम की सतह पर फिसलन प्रतिरोध, माइक्रोस्ट्रक्चर और पारगम्यता पर जलवायु के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अंबाला धावनपथ पर एक परीक्षण किया गया।



- 'वसुंधरा रोड पर यातायात विशेषताओं का आकलन और वसुंधरा रोड पर दिल्ली मेट्रो की लाइन 7 के त्रिलोकपुरी एवं मयूर विहार पॉकेट 1 के मेट्रो स्टेशनों का प्रभाव – एसएसपी 4587' नामक परियोजना ने वसुंधरा रोड पर उपलब्ध कराए गए एलओएस के पहलू पर ध्यान दिया। पिंक लाइन के मयूर विहार पॉकेट 1 और त्रिलोकपुरी मेट्रो स्टेशन चालू हो गए हैं। यह परियोजना जुलाई 2018 में शुरू हुई थी तथा सितंबर 2018 में पूर्ण हुई।

बैठक/कार्यशाला/सम्मलेन

सीएसआईआर–सीआरआरआई अनुसंधान परिषद की 121वीं बैठक

सीएसआईआर–सीआरआरआई की 121वीं अनुसंधान परिषद की बैठक 26 और 27 अप्रैल, 2018 को हुई। सभी मुख्य वैज्ञानिक, प्रभागीय प्रमुख एवं परियोजना प्रमुख बैठक में शामिल हुए। वैज्ञानिकों के द्वारा कुट्टिम और कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओपीएसी–2018) तथा प्रयोगशाला

एवं प्रायोजित परियोजनाओं पर अद्यतन प्रस्तुतियाँ दी गईं। अनुसंधान परिषद के सदस्यों ने कुट्टिम इंजीनियरी, ब्रिज इंजीनियरी और संरचना क्षेत्रों की आधुनिकतम सुविधाओं का दौरा किया, सभी वैज्ञानिकों से मुलाकात भी की एवं अनुसंधान तथा विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।





अनुसंधान परिषद की 121वीं बैठक के दौरान संपन्न गतिविधियां

सीएसआईआर–सीआरआरआई में डॉ पी रायचौधुरी स्मृति व्याख्यान श्रृंखला का आरंभ

सीएसआईआर–सीआरआरआई ने सेतु प्रभाग के प्रथम प्रमुख, स्वर्गीय डॉ पी रायचौधुरी के महत्वपूर्ण व्यावसायिक योगदान के लिए उनके सम्मान में “डॉ पी रायचौधुरी स्मृति व्याख्यान श्रृंखला” प्रारंभ की। सीएसआईआर–सीआरआरआई द्वारा 29 अगस्त 2018 को अपराह्न 3.00 बजे से समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में प्रसिद्ध सेतु विशेषज्ञ, महेश टंडन, प्रबंध निदेशक, मैसर्स टंडन कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड मुख्य अतिथि थे। प्रो महेश टंडन ने, “सेतु अभियांत्रिकी में आधुनिक रुझान” पर उद्घाटन व्याख्यान दिया। प्रो महेश टंडन ने भारतीय परिदृश्य में संबंधित मामले के अध्ययन को प्रस्तुत करने वाले सेतुओं के लिए पूर्वनिर्मित निर्माण तकनीकों के बारे में बात की। उन्होंने भारत में अतिरिक्त–डोज सेतुओं के निर्माण की स्थिति पर प्रकाश डाला एवं इसकी तुलना वैशिक परिदृश्य के साथ की।

समारोह में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें स्वर्गीय डॉ पी रायचौधुरी के परिवार के सदस्य एवं सीएसआईआर–सीआरआरआई के पूर्व तथा वर्तमान एस एंड टी स्टाफ सदस्य शामिल थे। सीएसआईआर–सीआरआरआई के निदेशक प्रो सतीश चंद्र ने मुख्य अतिथि प्रो महेश टंडन एवं श्रीमती

पी रायचौधुरी को सम्मानित किया। प्रो सतीश चंद्रा ने “डॉ पी रायचौधुरी स्मृति व्याख्यान श्रृंखला” पर अपने विचार भी साझा किए। उन्होंने उल्लेख किया कि इस व्याख्यान श्रृंखला को शुरू करने के लिए, श्रीमती पी रायचौधुरी ने सीएसआईआर–सीआरआरआई को छह लाख रुपये की राशि दान दी है। प्राप्त धन से सीएसआईआर–सीआरआरआई में एक बंदोबस्ती निधि की स्थापना की गई है। सीएसआईआर–सीआरआरआई के द्वारा वार्षिक आधार पर एक आमंत्रित सेतु विशेषज्ञ द्वारा अतिथि व्याख्यान के आयोजन के खर्च को पूरा करने के लिए नियमों के अनुसार इस राशि का व्यय किया जाएगा।

इस अवसर पर, स्वर्गीय डॉ पी रायचौधुरी की पुत्री श्रीमती देबयानी ने अपने पिता की कुछ यादें उपस्थित समुदाय के साथ साझा कीं। श्री जी.के. साहू, प्रमुख, सेतु अभियांत्रिकी एवं अवसंरचना प्रभाग (बीईएस) और श्री एस.एस. गहरवार, वरि प्रधान वैज्ञानिक बीईएस प्रभाग ने स्वर्गीय डॉ पी रायचौधुरी के योगदान के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। बीईएस प्रभाग से डॉ पी लक्ष्मी, मुख्य वैज्ञानिक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।



सृजन व्याख्यान की झलकियां

ट्रैक्स सोसाइटी के साथ संयुक्त रूप से सुरक्षित राइडिंग पहल (एसआरआई-2018) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

हमारी सड़कों पर मारे गए एवं घायल दो पहिया वाहन सवारों की घातक संख्या को कम करने के सामान्य उद्देश्य को पूरा करने के लिए सभी हितधारकों को एक साथ लाने के उद्देश्य से, सीएसआईआई-सीआरआरआई, नई दिल्ली में 12 और 13 अप्रैल 2018 को सीआरआरआई और ट्रैक्स सोसाइटी द्वारा संयुक्त रूप से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

हितधारकों के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों, शोधकर्ताओं, भारतीय मानक ब्यूरो, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, दिल्ली यातायात पुलिस, अंतर्राष्ट्रीय सड़क महासंघ, हेलमेट निर्माता तथा विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों में से प्रतिभागी शामिल हुए। सात देशों के प्रतिभागियों सहित कुल 100 से अधिक प्रतिभागी थे।

इस सम्मेलन में शामिल विषय हैं:

- दो पहिया वाहन सवार एवं आघात से बचाव के उपाय
- मानकीकृत हेलमेट
- व्यवहार और मनोविज्ञान
- सुरक्षित व्यवहार और सरकार की भूमिका
- सड़क सुरक्षा पर सर्वोत्तम अभ्यास
- विज्ञापन मानक
- पीछे सवार के रूप में बालक
- स्कूल का सुरक्षित रास्ता
- सुरक्षित स्कूल क्षेत्र
- सुरक्षा इंजीनियरी

- सुरक्षित अभ्यास
 - प्रभावी शिक्षा
 - मीडिया का दृष्टिकोण
 - गैर सरकारी संगठनों के विचार
- प्रस्तुतियों और चर्चा के आधार पर, निम्नलिखित सिफारिशों की गई हैं:
- शिक्षा और प्रवर्तन के बाद सड़क इंजीनियरी को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुधारा जाना चाहिए।
 - गैर-आईएसआई हेलमेटों को जल्द से जल्द आईएसआई हेलमेट द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए (प्रवर्तन एवं जागरूकता के माध्यम से)।
 - हेलमेट के उत्पादन को अनिवार्य सूची में लाना तथा इसे जीवन रक्षक उपकरण के रूप में मान्यता देना एवं आईएसआई हेलमेट की खरीद पर जीएसटी हटाना।



सुरक्षित राइडिंग पहल पर सम्मेलन

“स्थिरीकृत सड़कों के निर्माण के लिए चल मिश्रित संयंत्र का डिजाइन और निर्माण” पर बैठक 2 मई 2018

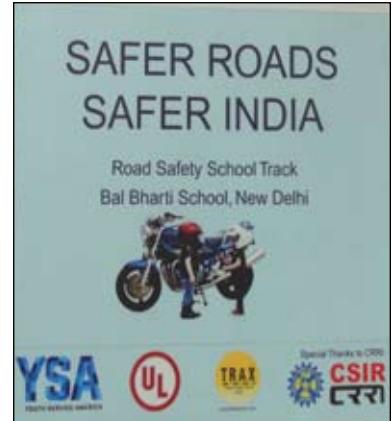
संस्थान में सीएसआईआर-सीआरआरआई एवं वीनस इकिवपमेंट लिमिटेड, गुजरात के बीच सहयोग की संभावना का पता लगाने के लिए 2 मई को 11 बजे एक बैठक आयोजित की गई, ताकि संयुक्त रूप से “स्वदेशी चल मृदा स्थिरीकरण उपकरण” विकसित किया जा सके। बैठक की अध्यक्षता प्रो सतीश चंद्र, निदेशक, सीएसआईआर-सीआरआरआई ने की तथा इसमें विभिन्न अनुसंधान एवं विकास प्रभागों के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कंपनी का प्रतिनिधित्व उनके तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा किया गया।

- सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार जैसाकि हैंड ग्रिप और साड़ी गार्ड को अनिवार्य किया गया है, वाहन पंजीकरण के समय इसकी जाँच की जानी चाहिए।
- बी-एड / बीटीसी और टीजीटी जैसे शिक्षक प्रशिक्षण के सभी कार्यक्रमों में सड़क सुरक्षा को शामिल करना।
- अस्पताल से नेशनल रोड क्रैश रजिस्ट्री डेटा विकसित करना।
- पिछली सीट के बाल सवारों (6 वर्ष से अधिक आयु के बच्चे) के लिए हेलमेट अनिवार्य किया जाए।
- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के प्रमुख के रूप में माननीय प्रधान मंत्री का होना।
- सुरक्षा के संबंध में विज्ञापन मानकों को बनाए रखना के लिए एक सरकारी निकाय का गठन किया जाना।

बाल भारती स्कूल में ट्रैफिक लर्निंग पार्क का उद्घाटन

प्रो सतीश चंद्र, निदेशक, सीएसआईआर–सीआरआरआई ने 11 मई 2018 को बाल भारती स्कूल, नई दिल्ली में ट्रैफिक लर्निंग पार्क का उद्घाटन किया। सीआरआरआई ने बच्चों के लिए ट्रैफिक लर्निंग पार्क डिजाइन करने के लिए ट्रेक्स सोसायटी

को तकनीकी सहायता प्रदान की। डिजाइन में शिक्षा/सीखने के उद्देश्य में बुनियादी सड़क चिह्नों, साइनेज, जेबरा क्रॉसिंग, वन वे/टू वे यातायात कॉन्सेप्ट, रोटरी, सिग्नलाईज्ड चौराहा, जेबरा क्रॉसिंग आदि शामिल थे।



सीएसआईआर द्वारा आंध्र प्रदेश टाउनशिप एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को परामर्श सेवाओं के प्रावधान पर बैठक

सीएसआईआर द्वारा आंध्र प्रदेश टाउनशिप एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एपीटीआईडीसी) को परामर्श सेवाएं प्रदान करने की संभावना का पता लगाने के लिए 13 जून 2018 को एक बैठक आयोजित की गई। संस्थान में बैठक की शुरुआत प्रो सतीश चंद्र, निदेशक, सीएसआईआर–सीआरआरआई के स्वागत भाषण के साथ हुई तथा समापन श्री वी रामनाथ,

उपाध्यक्ष, एपीटीआईडीसी के द्वारा दी गई सकारात्मक टिप्पणी के साथ हुआ। बैठक के दौरान, सीएसआईआर प्रयोगशालाओं (सीएसआईआर–सीआरआरआई, सीएसआईआर–सीबीआरआई, सीएसआईआर–सीईईआरआई, सीएसआईआर–सीएमईआरआई, सीएसआईआर–एएमपीआरआई) के द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियां भी दी गईं।



मैसर्स क्राईटन बिल्डमेट कोर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा 'वाटर प्रूफिंग सॉल्यूशंस' पर प्रस्तुति

बीएस प्रभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में 14.06.2018 को अपराह्न 3.00 बजे से "वाटर प्रूफिंग सॉल्यूशंस" पर एक तकनीकी प्रस्तुति आयोजित की गई। प्रस्तुति में बीएस प्रभाग, सुनस्य कुट्टिम प्रभाग, दृढ़ कुट्टिम प्रभाग और एमबीएसकथू इंफ्रास्ट्रक्चर प्रभाग से 30 एसएंडटी अधिकारियों ने भाग लिया। तकनीकी प्रस्तुति

में तकनीकी समस्याओं जैसे कि वॉटरप्रूफिंग समस्याओं की पृष्ठभूमि, मैसर्स क्राईटन बिल्डमेट कोर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा प्रस्तावित संभावित प्रभावी समाधान एवं सफल केस स्टडीज को शामिल किया गया।

सरकारी ई-बाजार (जेम) के माध्यम से खरीद प्रक्रिया पर प्रस्तुति

जेम अधिकारियों द्वारा जेम के माध्यम से खरीद प्रक्रिया पर 18 जून 2018 को प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसे नई खरीद

प्रक्रियाओं की बेहतर समझ के लिए भंडार एवं क्रय अनुभाग द्वारा आयोजित किया गया था।



पीसीआरए, नई दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से "वाहनों की ईधन खपत पर सड़क की दशा का प्रभाव" पर राष्ट्रीय कार्यशाला

सीएसआईआर-सीआरआरआई ने 5 जुलाई 2018 को पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ (पीसीआरए), नई दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से सीआरआरआई में "वाहन के ईधन की खपत पर सड़क दशा का प्रभाव (आईआरसीओएफसी)" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला की शुरुआत डॉ रवींद्र कुमार, प्रमुख, टीपीई के परिचय व्याख्यान एवं प्रो सतीश चंद्र, निदेशक, सीएसआईआर-सीआरआरआई द्वारा प्रारम्भिक टिप्पणी के द्वारा हुई। मुख्य अतिथि एवं विशेष आमंत्रित सदस्य श्री सुरेन्द्र प्रताप, निदेशक पीसीआरए ने विशेष संबोधन दिया, डॉ अनुराधा शुक्ला, मुख्य वैज्ञानिक, टीपीई ने धन्यवाद ज्ञापन किया। समूह फोटोग्राफ के साथ उद्घाटन सत्र समाप्त हुआ। श्री प्रदीप कुमार, प्रमुख, पीईडी, सीआरआरआई ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर परियोजना सड़कों के लिए सड़क की स्थिति के आकलन पर प्रस्तुति दी। अगली

प्रस्तुति श्री पीवी प्रदीप कुमार, प्रमुख, पीईडी सीआरआरआई के द्वारा विभिन्न वाहनों पर ईधन की खपत की पद्धति एवं डेटा संग्रह पर दी गई। डॉ रवींद्र कुमार, प्रमुख टीपीई, सीआरआरआई ने सड़क की स्थिति में बदलाव के कारण परिणाम और विभिन्न परिदृश्य तथा इसके विश्लेषण और बचत को प्रस्तुत किया तथा साथ ही प्रश्नोत्तर एवं आगे के सत्र प्रस्तुत किए गए।

कार्यशाला में श्री अनूप भट्ट, उपाध्यक्ष मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, डॉ के.के. गांधी, प्रमुख सलाहकार सियाम, श्री अतनु गांगुली, डिप्टी ईडी सियाम, प्रो ए एल अग्रवाल, एमेरिटस प्रोफेसर एमिटी यूनिवर्सिटी, डॉ एस गंगोपाध्याय, पूर्व निदेशक सीआरआरआई, सलाहकार आईसीटी, डॉ एस.के. शर्मा वैज्ञानिक सीपीसीबी तथा अन्य प्रतिभागी के द्वारा इनपुट और सुझाव प्रदान किए गए।





अधिगम अक्षमता एवं व्यक्तिगत निपुणता पर अधिगम संगठन कार्यशाला

लोग उन लोगों का अनुसरण करते हैं जो किसी चीज में विश्वास करते हैं और उन विश्वासों पर चलकर परिणाम प्राप्त करने की क्षमता रखते हैं। अंततः, अधिगम संगठनों के स्वाभाविक नेता कौन हैं? वे वास्तव में सीखने वाले ही हैं।

सीएसआईआर-सीआरआरआई में 27 जुलाई 2018 को



वैज्ञानिकों के लिए “अधिगम अक्षमता एवं व्यक्तिगत निपुणता” पर अर्द्धदिवसीय अधिगम संगठन कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री सुरेन्द्र प्रताप, निदेशक, पीसीआरए, नई दिल्ली ने सत्र का संचालन किया।



भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में पीसीआरए परियोजना का शुभारंभ

भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्त्वावधान में पेट्रोलियम संरक्षण और अनुसंधान संघ (पीसीआरए) का उद्देश्य तेल संरक्षण को एक राष्ट्रीय आंदोलन बनाना है। पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण और उत्सर्जन में कमी के महत्व, तरीकों और लाभ के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा करने का काम पीसीआरए को सौंपा गया है।

इस उद्देश्य के साथ, पीसीआरए ने 2016–17 के दौरान भीकाजी कामा प्लेस यातायात चौराहे पर वाहन उपयोगकर्ताओं के इंजन बंद करने संबंधी व्यवहार पर 7 दिन के जागरूकता अभियान के “पहले”, “इसके दौरान” और “इसके बाद” के प्रभाव को ज्ञात करने के लिए केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) के माध्यम से एक अध्ययन किया। इस अध्ययन में यातायात संकेतों पर वाहनों के निष्क्रिय समय के दौरान ईंधन की खपत और वाहनों के उत्सर्जन का अनुमान लगाना शामिल था। जागरूकता अभियान के “पहले”, “इसके दौरान” और “इसके बाद” के लिए वाहनों के बंद इंजन का अनुपात क्रमशः 20%, 62% और 53% था। अभियान के कारण, CO₂, NO_x, CO जैसी हानिकारक गैसों के उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई थी। अध्ययन के अनुसार, यह अनुमान लगाया गया कि मात्र दिल्ली में लगभग 250 करोड़ रुपये की बचत की संभावना है। इसलिए, कीमती ईंधन की बचत के परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा की बचत

की काफी गुंजाइश है।

पीसीआरए का उद्देश्य उन लाल बत्तियों पर इंजन को बंद करने के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जहां भी इसकी अवधि 20 सेकंड से अधिक है। इसलिए, सीआरआरआई के माध्यम से तथा दिल्ली यातायात पुलिस के सहयोग से पीसीआरए, दिल्ली के उन 100 व्यस्ततम चौराहों पर एक अभियान चला रहा है और ईंधन की खपत, वाहनों के उत्सर्जन और यातायात संकेत के डिजाइन के संदर्भ में जागरूकता अभियान के “पहले”, “इसके दौरान” और “इसके बाद” इसके प्रभाव का अनुमान लगा रहा है। अभियान में दृश्यता, बाधा, संकेत की अवधि (सिग्नल टाइमिंग) की मौजूदा स्थिति का अध्ययन भी शामिल होगा और तदनुसार लाल बत्तियों के पुनः स्थापन और संकेत की अवधि के पुनर्गठन की सिफारिश भी दी जाएगी। श्री आलोक कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त, दिल्ली यातायात पुलिस ने 20 सितंबर, 2018 को श्री आलोक त्रिपाठी, कार्यकारी निदेशक, पीसीआरए व प्रो सतीश चंद्र, निदेशक, सीआरआरआई और मीडिया की उपस्थिति में अभियान का शुभारंभ किया।

इस तरह के अभियानों से यह उम्मीद की जाती है कि लाल बत्ती पर इंजन को बंद करने संबंधी व्यवहार को बदलने में महत्वपूर्ण सुधार होगा जिससे ईंधन की बचत और उत्सर्जन में कमी आएगी।



सीएसआईआर–सीआरआरआई प्रबंधन परिषद की बैठक

सीआरआरआई में 6 अगस्त 2018 को प्रबंधन परिषद की बैठक आयोजित की गई।

जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत वैज्ञानिक-छात्र अंतःक्रियात्मक कार्यशाला

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने 'जिज्ञासा' नामक एक छात्र-वैज्ञानिक संपर्क कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके अंतर्गत सीएसआईआर ने केंद्रीय विद्यालय संगठन के साथ हाथ मिलाया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल के छात्रों और वैज्ञानिकों को जोड़ना है ताकि छात्रों की कक्षा की शिक्षा को बहुत अच्छी तरह से नियोजित अनुसंधान प्रयोगशाला आधारित शिक्षण के साथ बढ़ाया जा सके।

इसने वर्तमान वैज्ञानिक बिरादरी और आने वाली पीढ़ी के बीच वैज्ञानिक बातचीत की शुरुआत की और बच्चों में जिज्ञासा

और वैज्ञानिक दृष्टि का भी विकास किया। हमारे वैज्ञानिकों की वैज्ञानिक प्रवृत्ति को बढ़ावा देने की सलाह और प्रोत्साहन भारत की तकनीकी प्रगति को निरंतरता प्रदान करते हैं। इसने स्कूली छात्रों और उनके शिक्षकों के बीच एक तरफ जिज्ञासा की संस्कृति और दूसरी ओर वैज्ञानिक प्रवृत्ति को विकसित किया। अप्रैल, 2018 से सितंबर, 2018 तक केंद्रीय विद्यालय संगठन के विभिन्न स्कूलों के लिए जिज्ञासा कार्यक्रम के एक भाग के रूप में आयोजित अंतःक्रियात्मक बैठक/कार्यशालाएँ नीचे सूचीबद्ध हैं।

दिनांक	कार्यक्रम का नाम	दिनों की सं	केन्द्रीय विद्यालय स्कूल की सं	छात्रों की सं	अध्यापकों की सं
16/04/2018	अंतःक्रियात्मक कार्यक्रम	1	1	50	2
12/04/2018	अर्द्धदिवसीय कार्यशाला	1	1	40	2
17/04/2018	अंतःक्रियात्मक कार्यक्रम	1	1	50	2
16/05/2018	अर्द्धदिवसीय कार्यशाला	1	1	40	5
06/07/2018	अंतःक्रियात्मक कार्यक्रम	1	1	80	6
30/07/2018	अर्द्धदिवसीय कार्यशाला	1	1	62	6
21/08/2018	अंतःक्रियात्मक कार्यक्रम	1	1	52	6
24/08/2018	अंतःक्रियात्मक कार्यक्रम	1	1	45	3
28/08/2018	अंतःक्रियात्मक कार्यक्रम	1	1	50	3
26/09/2018	अंतःक्रियात्मक कार्यक्रम	1	4	136	14



सम्मान और पुरस्कार

- प्रो सतीश चंद्र, निदेशक, सीएसआईआर—सीआरआरआई 13.07.2018 को आईसीआई कंक्रीट 2018— केबल सपोर्टेड स्ट्रक्चर्स (बिल्डिंग एंड ब्रिजेज), होटल रॉयल प्लाजा, नई दिल्ली में सम्मेलन एवं प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि थे।



- प्रो सतीश चंद्र, निदेशक, सीएसआईआर—सीआरआरआई 12.08.18 को एसवीएनआईटी सूरत में आरएटीई—2018 के वेलीडिक्टरी कार्यक्रम के लिए मुख्य अतिथि थे।
- नीति आयोग ने प्राकृतिक मिलावे के विकल्प के रूप में सड़कों और रेल पटरियों के निर्माण में स्टील धातुमल के उपयोग पर मानकों और विनिर्देश की समीक्षा के लिए निदेशक सीएसआईआर—सीआरआरआई की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय स्तर की समिति का गठन किया है। समिति में मोर्थ, आईआरसी, एनएचएआई, पीडबल्यूडी, एमईएस के सदस्य एवं अन्य हितधारक शामिल होंगे।
- प्रो सतीश चंद्र, निदेशक, सीएसआईआर—सीआरआरआई 15.09.18 को आईसीआई वेस्टर्न यूपी सेंटर गाजियाबाद के स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि रहे।



- सतीश चंद्र निदेशक, सीएसआईआर—सीआरआरआई 15.09.2018 को भारतीय कंक्रीट संस्थान, पश्चिमी यू.पी. केंद्र, गाजियाबाद द्वारा आयोजित कंक्रीट दिवस समारोह के मुख्य अतिथि रहे, जिसमें दिल्ली / यूपी बार्डर से राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद तक 6—लेन हिंडन एलिवेटेड रोड को उत्कृष्ट कंक्रीट संरचना 2018 पुरस्कार प्रदान किया गया है। संरचना का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री, यू.पी. ने किया। यह पुरस्कार जीडीए के अधिकारियों तथा मैसर्स नवयुग कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड, कांट्रैक्टर के अधिकारियों द्वारा प्राप्त किया गया।
- प्रो सतीश चंद्र, निदेशक सीएसआईआर—सीआरआरआई 20.09.18 को दिल्ली लोकल चैप्टर के आईजीएस वार्षिक समारोह के मुख्य अतिथि थे।
- डॉ वी.वी.एल. कांता राव, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सेतु अभियांत्रिकी एवं अवसंरचना प्रभाग को 24 सितंबर, 2018 को सीएसओआई क्लब, नई दिल्ली में आयोजित 'कंक्रीट डे' का जश्न मनाने के लिए एक समारोह में वर्ष 2017 के लिए भारतीय कंक्रीट संस्थान—नई दिल्ली केंद्र द्वारा कंक्रीट प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना करते हुए 'पर्सनलिटी इन द फील्ड ऑफ कंक्रीट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस पुरस्कार में एक प्रशस्ति पत्र शामिल था जिसमें कंक्रीट प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में डॉ राव की उपलब्धियों का उल्लेख किया गया था।



- सीएसआईआर—केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान को 19 सितंबर 2018 को नई दिल्ली में “सड़क निर्माण के लिए कॉपर स्लैग सॉलिड वेस्ट मैटीरियल” परियोजना के लिए “स्कोच(एसकेओएचसी) ऑर्डर ऑफ मेरिट” पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार संस्थान को आरएंडडी इनोवेशन सड़क तटबंध निर्माण में कॉपर स्लैग के उपयोग के लिए तकनीकी डिजाइन विनिर्देशों/दिशानिर्देशों को विकसित करने में, प्रयोगशाला और क्षेत्र स्तर पर दोनों के लिए दिया गया। इस परियोजना ने पारंपरिक मृदा/मिलावा के विकल्प के रूप में कॉपर स्लैग के उपयोग पर जोर दिया, जो न केवल सड़क निर्माण की कुल लागत को कम करता है, बल्कि यह भारत में सड़क निर्माण विधि अभ्यास में स्थिरता भी लाता है। यह पुरस्कार सीएसआईआर—सीआरआरआई की ओर से डॉ वसंत जी हवांगी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक और डॉ अनिल कुमार सिन्हा, वरिष्ठ वैज्ञानिक को प्रदान किया गया।



- डॉ पी.एस. प्रसाद को भारतीय भू—तकनीकी सोसाइटी दिल्ली चैप्टर, नई दिल्ली से “आईजीएस दिल्ली चैप्टर लीडरशिप अवार्ड – 2018” प्राप्त हुआ (छह हजार रुपये का नकद पुरस्कार मिला)।
- डॉ एस पद्म, डॉ ई मधु और डॉ रवींद्र कुमार को हिंदी तकनीकी पेपर के लिए प्रथम पुरस्कार और हिंदी श्रुतलेख के लिए सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ प्रीतिकना दास को हिंदी निबंध प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार दिया गया।
- सीआरआरआई द्वारा आयोजित सीएसआईआर स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में टीपीई प्रभाग को सर्वश्रेष्ठ प्रभागीय प्रदर्शन के लिए चयनित किया गया।

‘सारा’ (एसएआरए) विश्लेषक

‘सारा’ (एसएआरए) विश्लेषक का उपयोग बिटुमेन की रासायनिक संरचना (संतृप्त, डामर, रेजिन और एरोमैटिक्स) को निर्धारित करने के लिए किया जाता है। टीएलसी—एफआईडी (लौ आयनीकरण संसूचन के साथ तनु परत क्रोमैटोग्राफी) विधि ध्रुवीयता और एफिनिटी क्रोमैटोग्राफी पर आधारित है। डामर को एक गैर-ध्रुवीय विलायक में मिला दिया जाता है और सिलिका की छड़ पर इंजेक्ट किया जाता है। गैर-ध्रुवीय समूहों में विलायक के प्रति अधिक आकर्षण होता है और केशिका क्रिया के कारण छड़ ऊपर जाती है। छड़ को एक ध्रुवीय विलायक और सुगंधित समूहों वाले द्रव में रखा जाता है, जो सिलिका की तुलना में इस विलायक के लिए अधिक आकर्षण रखते हैं और छड़ को ऊपर ले जाते हैं। इस प्रक्रिया को तब तक जारी रखा जाता है जब तक रेजिन और एस्फालटिन अलग नहीं हो जाते। फिर छड़ को क्रोमैटोग्राफी की मात्रा निर्धारित करने के लिए एक

एफआईडी स्कैनर पर रखा जाता है। निम्नलिखित अंशों में वर्ग घटकों के पृथक्करण से परीक्षण की गई सामग्री की एक बड़ी संरचना मिलती है।



सर्वो नियंत्रण हाइड्रोलिक परीक्षण मशीन

सीएसआईआर—सीआरआई के दृढ़ कुट्टिम प्रभाग में जून 2018 के महीने में सर्वो नियंत्रण हाइड्रोलिक परीक्षण मशीन स्थापित की गई। यह उन्नत मशीन कंक्रीट एवं विशेष रूप से फाइबर प्रबलित कंक्रीट के पश्च चर्म व्यवहार के लिए डेटा उत्पन्न करने में सक्षम है। यह मशीन स्वचालित रूप से ठोस नमूनों के लिए प्रतिबल—विकृति, प्रतिबल—समय, विकृति—समय के बीच ग्राफ उत्पन्न करती है। इस मशीन का उपयोग लोडिंग के तहत सीएमओडी (क्रैक माउथ ओपनिंग विस्थापन) की माप के लिए भी किया जाता है।



रमन सक्रिय नमूने (तरल/ठोस) के लिए पोर्टेबल रमन स्पेक्ट्रोमीटर (ईएनएसपीईसीटीआर आर 532)



यूवी—विज स्पेक्ट्रोमीटर (रिगोल अल्ट्रा 3660)



संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2018 की दूसरी तिमाही बैठक संस्थान के निदेशक, प्रो. सतीश चंद्र की अध्यक्षता में दिनांक 17 / 04 / 2018 को हुई। बैठक में 27 सदस्य एवं प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन को गति देने के लिए राजभाषा कार्यों की समीक्षा की गई और निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

मद सं. 1.1 पिछली तिमाही के दौरान 'सङ्क दर्पण' अंक 15 का वितरण किया गया तथा संस्थान के अनुभागों एवं प्रभागों से जारी होने वाले प्रपत्रों को द्विभाषी रूप से तैयार किया गया ताकि भविष्य में ये सभी प्रपत्र संस्थान में द्विभाषी रूप में जारी किए जाएं। इस अनुवाद कार्य के लिए निदेशक महोदय ने राजभाषा अनुभाग की सराहना की। यह निर्णय लिया गया कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए सभी अनुभाग एवं प्रभाग अनुवाद की बजाय मूलतः हिंदी में काम बढ़ाने के लिए गंभीरता से प्रयास करें।

मद सं. 2 अनुभागों एवं प्रभागों से प्राप्त राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी प्रगति रिपोर्ट के आंकड़ों पर चर्चा की गई। सदस्य सचिव ने बताया कि तिमाही प्रगति रिपोर्ट में दिए गए आंकड़ों के समर्थन में प्रशासनिक अनुभागों द्वारा पत्राचार आदि का रिकार्ड संलग्न न किए जाने तथा रिकार्ड का समुचित रखरखाव न होने के कारण रिपोर्ट में गलत आंकड़े दिए जाने की संभावना बनी रहती है। अतः विभागीय स्तर पर दिए जा रहे सभी आंकड़ों की सत्यता सुनिश्चित करना अनुभागीय/प्रभागीय प्रमुख की जिम्मेदारी है। समिति ने यह निर्णय लिया कि सभी प्रमुख अपने अनुभाग/प्रभाग में संपन्न सरकारी कार्यों (अंग्रेजी सहित) का रिकार्ड रखवाएंगे तथा तिमाही प्रगति रिपोर्ट में समुचित सावधानी के साथ संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएंगे।

मद सं. 3 राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के वार्षिक कार्यक्रम 2018–2019 में सम्मिलित राजभाषा नीति संबंधी प्रमुख निदेशों एवं निर्धारित लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। भारत सरकार के निदेशों के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों का यह संवैधानिक दायित्व है कि वे अपने सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करें। इससे उनके अधीन कार्य कर रहे अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रेरणा मिलेगी तथा राजभाषा नीति के अनुपालन में गति मिलेगी। निदेशक महोदय ने निदेश

दिया कि सरकार के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए धारा 3 (3) के साथ–साथ पत्राचार एवं टिप्पणी लेखन तथा प्रशिक्षण आदि अन्य सरकारी कार्यों में निर्दिष्ट मात्रा में हिंदी के प्रयोग संबंधी नियमों के अनुपालन के लिए सभी प्रमुख उत्तरदायी होंगे।

मद सं. 3.1 समिति को सूचित किया गया कि संस्थान में हिंदी काम की मात्रा को बढ़ाने के लिए प्रशासन में कार्यरत सभी कर्मचारियों एवं अनुभागीय/प्रभागीय प्रमुखों को 'प्रशासनिक शब्दावली' दी गई है। इसके अलावा हिंदी में काम करने के लिए ऑनलाइन शब्दकोष एवं ऑनलाइन अनुवाद की सुविधा भी उपलब्ध है जिसके उपयोग से हिंदी कार्य सरलता से हो जाता है। निदेशक महोदय ने बताया कि अब भी प्रभागों से आने वाले फोल्डर पूरी तरह से द्विभाषी नहीं हैं। अतः क्रय अनुभाग यह सुनिश्चित करे कि प्रयोग में आ रहे सभी फाइलों के पिछले पृष्ठ पर हिंदी टिप्पणियां टॅकित हों तथा संस्थान में द्विभाषी फाइलें व फोल्डर ही मंगवाए जाएं। यह निर्णय भी लिया गया कि क्रय अनुभाग उन सभी क्रय मांगपत्रों (इंडेंट) को यथाशीघ्र संशोधित करके उन पर कार्रवाई करे जिन्हें राजभाषा अनुभाग ने पूरी तरह से द्विभाषी तैयार करके इंट्रानेट पर अपलोड करने हेतु क्रय अनुभाग को भेजा है।

मद सं. 4 सदस्य सचिव ने बताया कि संसदीय राजभाषा समिति को दिए गए आश्वासनों को पूरा करने के लिए संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा नियमित कार्रवाई अपेक्षित है। इसके लिए आश्वासनों की सूची तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा अपेक्षित कार्रवाई के संबंध में निदेशक महोदय के हस्ताक्षर से कार्यालय ज्ञापन जारी किया गया है। निदेशक महोदय ने बताया कि आश्वासनों को पूरा करने तथा हिंदी में कार्य के प्रति सबका उत्साह बढ़ाने के लिए संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों को मिली–जुली भाषा में आयोजित किया जाता है तथा राजभाषा अनुभाग के सहयोग से भविष्य में भी इसे जारी रखा जाएगा। पिछली तिमाही के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित ऐसे कार्यक्रमों के अंतर्गत 'जिज्ञासा' तथा 'सतर्कता एवं क्रय प्रक्रिया' कार्यशाला सम्मिलित हैं। राजभाषा अनुभाग के द्वारा नई भर्ती हुए कर्मचारियों को हिंदी में प्रशिक्षण देने के लिए कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

हिंदी कार्यशाला

संस्थान में दिनांक 28 जून 2018 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत संस्थान के प्रशासनिक, आरएंडडी तथा मानव संसाधन विकास व परियोजना प्रबंधन (एचआरडीपीएम) से संबंधित प्रभागों के सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग में वृद्धि करने के

लिए चर्चा की गई। कार्यशाला में मार्गदर्शन हेतु संस्थान के पूर्व वरिष्ठ हिंदी अधिकारी डॉ. अनंग पाल को आमंत्रित किया गया। अपने व्याख्यान में उन्होंने संघ सरकार की राजभाषा नीति को सरल रूप में प्रस्तुत किया। संवैधानिक पृष्ठभूमि में उन्होंने राजभाषा हिंदी की

अनिवार्यता और महत्व पर प्रकाश डाला। संस्थान में नव—नियुक्त कर्मचारियों के प्रशिक्षण हेतु विशेष रूप से आयोजित इस कार्यशाला में टिप्पणी लेखन एवं पत्राचार पर एक सत्र अलग से रखा गया। कार्यशाला में राजभाषा



से संबंधित नियमों एवं प्रावधानों की जानकारी देने के अलावा उपस्थित प्रतिभागियों से टिप्पणी लेखन एवं पत्र लेखन के कुछ अभ्यास भी कराए गए।



हिंदी पखवाड़ा

सीएसआईआर—केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर—सीआरआरआई), नई दिल्ली में दिनांक 31 अगस्त 2018 को हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. सतीश चंद्र ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। अपने वक्तव्य में उन्होंने हिंदी के प्रचार—प्रसार के लिए गंभीर प्रयास करने पर बल दिया। निदेशक महोदय ने संस्थान के सभी कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए ऊर्जा दी एवं प्रेरित किया।

31 अगस्त 2018 को प्रोफेसर अवनीश कुमार को हिंदी पखवाड़ा उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। ‘वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषय में हिंदी का प्रयोग’ विषय पर अपने व्याख्यान में उन्होंने हिंदी के विषय में कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। उन्होंने बताया कि देश को एकत्र करने में पूरे भारत संघ की भाषा हिंदी ही रही है, अब समय आ गया है कि हिंदी को ज्ञान एवं चिंतन की भाषा बनाया जाए, जिसके लिए हमें शब्दावली का अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। हिंदी अधिकारी श्री संजय चौधरी ने आगामी कार्यक्रम यथा 31 अगस्त से 14 सितंबर 2018 तक चलने वाले हिंदी पखवाड़े से सम्बंधित कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी।

हिंदी पखवाड़े के दौरान संस्थान के कार्मिकों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं यथा हिंदी पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध लेखन, ‘तस्वीर बोलती है’ प्रतियोगिता, तकनीकी लेख प्रतियोगिता, श्रुतलेख प्रतियोगिता, वाद—विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुछ प्रतियोगिताओं का आंतरिक तथा कुछ का बाह्य मूल्यांकन कराया गया जिनमें न्यूनतम दो निर्णायक रखे गए, जिसका उद्देश्य मूल्यांकन में पारदर्शिता रखना था। हिंदी प्रतियोगिताओं में संस्थान के प्रशासनिक एवं तकनीकी वर्ग के विभिन्न श्रेणी के कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

इसी कड़ी में संस्थान के कार्मिकों को जागरूक एवं सतर्क करने

के उद्देश्य से हिंदी पखवाड़े के दौरान आय कर एवं काले धन पर हिंदी व्याख्यान का आयोजन भी किया गया, जिसमें विशेषज्ञ के तौर पर सतीजा दम्पत्ति को बुलाया गया। 11 सितंबर को श्रीमती विभूति सतीजा ने ‘आयकर की सामान्य जानकारी’ विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने आयकर जैसे जटिल विषय पर संस्थान के कार्मिकों को कई रोचक तथ्य बताये। अपने व्याख्यान में उन्होंने वर्तमान में आय कर संबंधी कानूनी कार्रवाई एवं मुकदमेबाजी का सामना करने वाले वोडाफोन जैसे कुछ मामलों पर भी चर्चा की।

12 सितंबर को श्री भुवनेश सतीजा ने ‘काले धन के वैधीकरण पर रोक’ विषयक अपने व्याख्यान में हवाला एवं वित्तीय धोखाधड़ी जैसे मामलों पर प्रकाश डाला। काले धन को वैध बनाना (मनी लॉन्डरिंग) जिसमें अवैध रूप से प्राप्त धन के स्रोतों को छिपाने से होने वाली समस्याओं से चेताया। उन्होंने यह भी कहा कि अवैध रूप से कमाया हुआ कोई भी धन, जिस पर भले से आय कर दिया गया हो वह काले धन की श्रेणी में ही आएगा। ऐसी बारीक बातों के बारे में उन्होंने संस्थान के कार्मिकों को अवगत कराया, जिससे सभी कार्मिक लाभान्वित हुए।

इसके साथ ही 14 सितंबर 2018 को हिंदी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन भी किया गया जिसमें श्री बालेंदु शर्मा दाधीच जी को आमंत्रित किया गया। उन्होंने ‘हिंदी के डिजिटल उपयोग के द्वारा ‘भाषा उत्सव’ पर केंद्रित अपने व्याख्यान में बेहद दिलचस्प ढंग से बताया। उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट अनुवाद के साथ—साथ कंप्यूटर से जुड़े विंडो टेन की नई—नई तकनीकों से भी अवगत कराया। संस्थान इसका लाभ अपने अनुसंधान एवं विकास कार्यों में हिंदी के प्रयोग में वृद्धि के माध्यम से अवश्य उठाएगा। पखवाड़े के अंतर्गत निदेशक प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत संस्थान के अनुभागों/प्रभागों के हिंदी कार्य की समीक्षा की गई।

पुरस्कार वितरण समारोह में संस्थान के कार्मिकों को संबोधित करते हुए निदेशक प्रो. सतीश चंद्र ने कहा कि आम जनता तक वैज्ञानिक उपलब्धियों की जानकारी राजभाषा के माध्यम से पहुंचाया जाना नितांत आवश्यक है और इसके लिए यह जरूरी है कि संस्थान के वैज्ञानिक तकनीकी लेखन को बढ़ाने के लिए विशेष रूप से प्रयास किए जाएं। इसके साथ-साथ प्रशासन के क्षेत्र में सभी अधिकारियों द्वारा हिंदी में कार्य की मात्रा बढ़ाने के लिए और अधिक गंभीर प्रयास करने की भी आवश्यकता है।

समारोह में निदेशक प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत उन सभी अधिकारियों को पुरस्कार दिया गया जिन्होंने पिछले वर्ष

के दौरान हिंदी में प्रशंसनीय कार्य किया था। पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को भी प्रमाण-पत्र प्रदान किया एवं प्रोत्साहन राशि का डिजीटल भुगतान किया गया। मूल रूप से हिंदी में टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन करने वाले कार्मिकों को सम्मानित करते हुए उन्हे पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर हिंदी अधिकारी, श्री संजय चौधरी ने संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में सभी कार्मिकों से यह अपील भी की कि यह उत्साह केवल एक पखवाड़े तक सीमित न रहकर हमारे दैनिक कार्यों एवं व्यवहार का हिस्सा बनेगा, हम हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करेंगे एवं अपनी राजभाषा को यथायोग्य सम्मान देंगे।



दिए गए व्याख्यान/आमंत्रित वार्ता

- डॉ एस वेलुमुर्गन ने मोर्थ में 'इवैल्यूएशन ऑफ आरएसए बेनीफिट्स थू कोस्ट-बेनीफिट एनालिसिस' पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 24 अप्रैल को 2018 को आमंत्रित व्याख्यान दिया।



- श्री मनोज कुमार शुक्ला ने 8 जून 2018 को सड़क और राजमार्ग पर राष्ट्रीय परिषद, एसोचैम के सदस्य के रूप में सड़क एवं राजमार्ग पर एसोचैम के कोर ग्रुप की बैठक में भाग लिया।
- डॉ एस. पद्मा और सुश्री मीनल ने 19–21 जून, 2018 के दौरान सीएसआईआर–फोर्थ पैराडाइम संस्थान (4PI), बैंगलुरु में आयोजित "मॉडलिंग एंड सिमुलेशन" पर भर्ती और मूल्यांकन बोर्ड (आरएबी) की कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रो सतीश चंद्र, निदेशक, सीएसआईआर–सीआरआरआई ने 1 अगस्त 2018 को मुंबई में दूसरे एएमईए बिटुमिन 2018 के दौरान 'न्यू मटेरियल्स एंड टेक्नोलोजी फॉर हाइवेज कंस्ट्रक्शन इन इंडिया' पर मुख्य व्याख्यान दिया।
- प्रो सतीश चंद्र, निदेशक, सीएसआईआर–सीआरआरआई ने 12 अगस्त 2018 को तीसरे रेट–2018 के दौरान 'ओवरव्यू ऑफ इंडो एचसीएम' पर एसवीएनआईटी, सूरत में व्याख्यान दिया।
- प्रो सतीश चंद्र, निदेशक, सीएसआईआर–सीआरआरआई ने 4 सितम्बर 2018 को नई दिल्ली में रोड टेक – एसोचैम के चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'न्यू मटेरियल्स फॉर रोड कंस्ट्रक्शन इन इंडिया' पर व्याख्यान दिया।
- डॉ रवीन्द्र कुमार ने 18 सितम्बर 2018 को निस्टैड्स में 'यात्रा मांग प्रबंधन द्वारा वाहन उत्सर्जन में कमी' पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- प्रो सतीश चंद्र, निदेशक, सीएसआईआर–सीआरआरआई ने दक्षिण अफ्रीका में 24–28, सितम्बर 2018 के दौरान आरएआर 2018 सम्मेलन में भाग लिया।
- डॉ अंबिका बहल ने 28 सितम्बर 2018 को पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, पर्यावरण भवन, शिमला द्वारा आयोजित एक बैठक में भाग लिया और सड़क निर्माण में बेकार प्लास्टिक के उपयोग पर शिमला में लोक निर्माण विभाग और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, हिमाचल प्रदेश के 60 से 70 इंजीनियरों की सभा को संबोधित किया।
- सीआरआरआई में 28 अगस्त 2018 को वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पर एक आमंत्रित वार्ता आयोजित की गई। मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी, दक्षिण पूर्व जिला, दिल्ली ने 'वेक्टर जनित रोग नियंत्रण' विषय पर एक स्वास्थ्य वार्ता प्रस्तुत की और स्टाफ को उन संक्रमणों के बारे में संबोधित किया जो मच्छरों, टिक, ट्राइआटोमाइन बग, मरुमक्षिका (सैंडफ्लाइज) और कृष्णमक्षी (ब्लैकफ्लाइज) जैसी संक्रमित प्रजातियों के काटने से मनुष्यों या जानवरों से मनुष्यों के बीच संक्रामक रोगों को प्रसारित कर सकते हैं। मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी ने मलेरिया, फाइलेरिया, काला-अजार, डेंगू और जापानी इंसेफेलाइटिस जैसे विभिन्न वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के बारे में भी बताया।



आयोजित समारोह

स्वच्छता पर्खवाड़ा (01–15 मई , 2018)

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 2 अक्टूबर 2019 तक स्वच्छ और स्वस्थ भारत सुनिश्चित करने के लिए दिनांक 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया गया। सीएसआईआर—सीआरआरआई ने इस मिशन को एक जिम्मेदारी के रूप में लिया है और इसे संस्थान में लागू किया गया।

दिनांक 1–15 मई, 2018 के दौरान सीआरआरआई के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता पर्खवाड़ा के लिए कार्य योजना बनाई गई है और उन्होंने उत्साहपूर्वक इन लक्ष्यों को हासिल किया है।

स्वच्छ भारत पर्खवाड़ा सफाई अभियान के दौरान कैटीन, गेस्ट हाउस, छात्रावास, गार्डन, पुस्तकालय, शौचालय, भंडार, आवासीय



कॉलोनियों सहित सभी अनुभाग/प्रभाग में रिकॉर्ड अवधारण अनुसूची के अनुसार पुरानी फाइलों को बाहर निकालने का कार्य पूरा किया गया।

वर्तमान भारत में “स्वच्छ भारत मिशन” के महत्व और इसकी प्रासंगिकता को उजागर करने के लिए स्टाफ सदस्यों और उनके बच्चों के लिए निबंध, वाद—विवाद और ड्राइंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

वेबसाइट, बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स के माध्यम से स्वच्छता संदेश का प्रचार—प्रसार पूरा किया गया। इस अवसर पर, भारत को सभी के लिए स्वच्छ और हरा—भरा बनाने के लिए वृक्षारोपण भी किया गया।



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस (11 मई , 2018)

सीएसआईआर—सीआरआरआई में शुक्रवार, 11 मई, 2018 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2018 मनाया गया। इस अवसर पर, प्रो (डॉ) ओम विकास, पूर्व—निदेशक (वीसी), एबीवी—आईआईआईटीएम ग्वालियर, और पूर्व—वरिष्ठ निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी



मंत्रालय, भारत सरकार और पूर्व परामर्शदाता (एसएंडटी), भारतीय दूतावास, टोकियो (जापान) को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस व्याख्यान देने हेतु मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।





आतंकवाद विरोध दिवस (21 मई, 2018)

देश में हर साल की तरह 21 मई 2018 को आतंकवाद विरोध दिवस मनाया गया ताकि सामान्य लोगों एवं विशेष रूप से युवाओं को आंतकवादी गतिविधियों तथा हिंसावाद के मार्ग से हटाया जा सके। इनके कारण आम लोगों को होने वाले कष्टों तथा राष्ट्रीय हित को होने वाली हानि की वजह से आम जन की समस्याओं के प्रति जागरूक करना ही आतंकवाद विरोधी दिवस का उद्देश्य है। सीएसआईआर—सीआरआरआई परिसर में 21 मई, 2018 को आतंकवाद विरोधी दिवस के पालन पर एक प्रतिज्ञा समारोह का आयोजन किया गया और इसमें संस्थान के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने भाग लिया।



विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून, 2018)

सीएसआईआर—सीआरआरआई में 5 जून, 2018 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र की पहल के रूप में पर्यावरण की रक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए यह आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ संचिता जिंदल, सलाहकार, पर्यावरण और वन मंत्रालय, सरकार

भारत ने “वाहन प्रदूषण हटाने में परिवहन उद्योग की भूमिका – अनुसंधान चुनौतियां और अवसर” विषय पर व्याख्यान दिया। आयोजन के अंतर्गत सीएसआईआर—सीआरआरआई के निदेशक प्रो सतीश चंद्र द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।



सीएसआईआर—सीआरआरआई में छबील का आयोजन (18 जून, 2018)

दिनांक 18 जून, 2018 को श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस और निर्जला एकादशी पर संस्थान में मीठे पानी और कड़ाह प्रसाद का वितरण किया गया।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2018)

सीएसआईआर परिपत्र के अनुपालन में, सीएसआईआर—सीआरआरआई में 21 जून 2018 को सुबह 8.30 बजे से योग सत्र का आयोजन करके अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। योग सत्र का संचालन डॉ नीलम जे गुप्ता, प्रमुख वैज्ञानिक एवं प्रमुख, आईएलटी, सीएसआईआर—सीआरआरआई ने किया। प्रार्थना के साथ योग सत्र का उद्घाटन श्रीमती सुनीता चंद्रा के द्वारा किया गया और प्रतिज्ञा के साथ इसका समापन हुआ। वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के सदस्यों द्वारा इसमें दिखाया गया समर्पण और उत्साह सराहनीय था।

श्वास और विश्राम पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सत्र में



प्राणायाम को शामिल किया गया। इसके बाद ऊष्मा पैदा करने और हृदय गति को बढ़ाने के लिए सूर्य और चंद्र नमस्कार किया गया।

यह वास्तव में योग में भाग लेने के लिए वैज्ञानिकों और कार्मिकों के लिए एक महान अवसर था, जिसका उद्देश्य तनाव को दूर करते हुए हमारे मन को केंद्रित करने में सुधार लाना था। कुछ घंटों के लिए योग के इस छोटे से अभ्यास ने हमारे संस्थान के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के मन और शरीर को प्रभावित किया था। बाद में, सभी प्रतिभागियों ने योग को अपने दैनिक जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।



सीएसआईआर—सीआरआरआई स्थापना दिवस समारोह (16 जुलाई, 2018)

सीएसआईआर—सीआरआरआई में 16 जुलाई, 2018 को स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर, डॉ गिरीश साहनी, महानिदेशक, सीएसआईआर और सचिव डीएसआईआर नई दिल्ली मुख्य अतिथि थे। डॉ गिरीश साहनी, डीजी सीएसआईआर और सचिव डीएसआईआर ने स्थापना दिवस व्याख्यान के दौरान सभी वैज्ञानिकों और स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया।

और समाज की जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक नवीन अनुसंधान के लिए जोर दिया। इस अवसर पर डॉ गिरीश साहनी, महानिदेशक, सीएसआईआर और सचिव डीएसआईआर ने अक्टूबर 2017 से मार्च 2018 के लिए प्रकाशित अर्ध-वार्षिक सीएसआईआर—सीआरआरआई समाचार पत्रिका का विमोचन किया।



भारत का स्वतंत्रता दिवस समारोह (15 अगस्त, 2018)

भारत के 71वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, सीएसआईआर—सीआरआरआई के निदेशक प्रो सतीश चंद्रा ने 15 अगस्त, 2018 को सीएसआईआर—सीआरआरआई परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस समारोह में वैज्ञानिकों और स्टाफ सदस्यों

और उनके परिवार के सदस्यों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर सीआरआरआई स्टाफ के सदस्यों और उनके बच्चों द्वारा भक्ति और देशभक्ति के गीतों/कविताओं का प्रस्तुतीकरण किया गया।



सीएसआईआर स्थापना दिवस समारोह (26 सितंबर, 2018)

सीएसआईआर—सीआरआरआई परिसर में 26 सितंबर, 2018 को सीएसआईआर स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डॉ आर के भंडारी, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर—सीबीआरआई मुख्य अतिथि थे। इस समारोह में सीएसआईआर—सीआरआरआई के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों के सदस्यों, अन्य कर्मचारियों और पूर्व सहयोगियों ने भाग लिया। डॉ किशोर कुमार, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर—सीआरआरआई ने सभा को संबोधित किया और वर्षों में सीएसआईआर—सीआरआरआई द्वारा की गई प्रगति और

यात्रा पर प्रकाश डाला। डॉ आर के भंडारी ने इस समारोह के एक भाग के रूप में सीएसआईआर—सीआरआरआई के कर्मचारियों के बच्चों के लिए सीएसआईआर—सीआरआरआई द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को विभिन्न पुरस्कार दिए। सीएसआईआर की 25 साल की सेवा पूरी करने वाले तथा सितंबर 2017 से अगस्त 2018 के दौरान सेवानिवृत्त हुए सीआरआरआई कार्मिकों को निदेशक, सीएसआईआर—सीआरआरआई द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट करके उन्हें भी सम्मानित किया गया।



समझौता ज्ञापन/समझौते/पेटेंट

- सीएसआईआर—सीआरआरआई और एनडीए पॉटहोल, नई दिल्ली के बीच समझौता, 24-04-2018.
- सीएसआईआर—सीआरआरआई—हाइको, नई दिल्ली के बीच लचीले मापांक परीक्षण प्रणाली के विकास के लिए समझौता, 10-05-2018.



- सीएसआईआर—सीआरआरआई और आईआईटी तिरुपति के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, 11-05-2018.



- सीआरआरआई और ट्रक्सविधा—सर्वोदय इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, 02-07-2018.



- “विभिन्न आवृत्तियों के आधार पर शोर अवरोध का डिजाइन”, नामक पेटेंट को आईपीयू सीएसआईआर—मुख्यालय में आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया गया।

आगंतुक

- मैसर्स हेंगझोऊ स्पेशल ऑटोमोबाइल कंपनी लिमिटेड, चीन जींगगोंग के अधिकारियों ने अपने मोबाइल ब्रिज निरीक्षण वाहन (MBIV) का उन्नयन करने के संबंध में सीएसआईआर—सीआरआरआई के साथ अंतर्राष्ट्रीय आरएंडडी सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए 02–04–2018 को निदेशक, सीएसआईआर—सीआरआरआई के साथ औपचारिक चर्चा की।



- भूटान राजशाही के 22 सिविल इंजीनियरों का प्रतिनिधिमंडल, जो वर्तमान में विश्वकर्मा प्रथम, फरीदाबाद (हरियाणा) में निर्माण उद्योग विकास परिषद के प्रशिक्षण केंद्र में सिविल इंजीनियर के विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, ने 04–04–2018 (पूर्वाह्न) को सीएसआईआर—सीआरआरआई का दौरा किया ताकि सीआरआरआई विशेषज्ञों के द्वारा प्रयोगशाला प्रदर्शन और विशेष उपकरणों के माध्यम से इंजीनियरी सामग्री के परीक्षण प्राप्त कर सकें।



- सर्वोच्च न्यायालय सङ्क सुरक्षा समिति ने 9 अप्रैल 2018 को देश में ही विकसित कार ड्राइविंग सिम्युलेटर की समीक्षा करने के लिए सीएसआईआर—सीआरआरआई का दौरा किया। सबसे पहले प्रो सतीश चंद्र, निदेशक, सीएसआईआर—सीआरआरआई ने समिति के सदस्यों का स्वागत किया। तत्पश्चात डॉ नीलिमा चक्रवर्ती, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक और प्रमुख टीईएस डिवीजन द्वारा संक्षिप्त परिचय तथा डॉ इरमपल्ली मधु, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख टीपी डिवीजन द्वारा भारतीय परिस्थितियों के लिए कार ड्राइविंग सिम्युलेटर पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। औद्योगिक भागीदार फारोस सिमुलेशन प्राइवेट लिमिटेड के सदस्य भी इसमें मौजूद थे और उत्पाद/प्रौद्योगिकी के संभावित व्यावसायीकरण के लिए एक चर्चा आयोजित की गई।

सिमुलेटर लैब में सिम्युलेटर का प्रदर्शन किया गया जिसमें ड्राइवर विशेषताओं के विभिन्न मुद्दे जैसे ड्राइवर कुत्तों, पैदल चलने वालों, हाथ गाड़ी खींचने वालों; दो पहिया वाहन आदि के औचक आने के वास्तविक समय (ग्राफिक) खतरों के दौरान ड्राइवर की ब्रेक लगाने संबंधी प्रतिक्रिया जैसी विशेषताओं के रूप में विभिन्न मुद्दों पर कार्रवाई करते हुए सामान्य भारतीय सङ्क दशाओं तथा “एस”, “एच” वक्र, तीव्र कोण, हेयरपिन मोड़ जैसे चालन परीक्षण खंड और अत्यधिक चढ़ाई/उत्तराई के समय चालन परीक्षण खंड के परिप्रेक्ष्य में अलग—अलग पर्यावरणीय परिस्थितियों (जैसे दिन का समय और रात का समय) सहित विभिन्न शिक्षार्थी ड्राइविंग और एडवांस ड्राइविंग मॉड्यूल तथा सङ्क खंडों (जैसे शहर की सङ्क, राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, पहाड़ी सङ्क) पर सिम्युलेटर प्रदर्शन संपन्न किए गए।

विभिन्न साइको मोटर टेस्ट का भी प्रदर्शन किया गया, जो विश्व स्तर पर शिक्षार्थी लाइसेंस के आवेदकों के लिए अनिवार्य परीक्षण के रूप में स्वीकार किए जाते हैं। इसमें चकाचौंध परीक्षण, रंग दृष्टि परीक्षण, गति और दूरी परीक्षण का निर्णय, जटिल प्रतिक्रिया समय परीक्षण शामिल हैं। डॉ सीएस रवि शेखर, प्रधान वैज्ञानिक, परिवहन योजना प्रभाग द्वारा उपयोगकर्ता डेटा प्रबंधन और ड्राइविंग सिम्युलेटर रिपोर्ट दिखाया गया और इसके साथ सत्र का समाप्त हुआ।



- कनाडा के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ नेपाल सरकार के अधिकारियों ने 18–06–2018 को सीएसआईआर–सीआरआरआई का दौरा किया।



- युगांडा के एक प्रतिनिधिमंडल ने 09–08–2018 को सीएसआईआर–सीआरआरआई का दौरा किया।



- इंडोनेशिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने 21–08–2018 को सीएसआईआर–सीआरआरआई का दौरा किया।



प्रशिक्षण कार्यक्रम

- सीएसआईआर—सीआरआरआई ने सीमा सड़क संगठन के युवा अधिकारियों के लिए “कैम्पस ऑन एयरफील्ड इंजीनीयरिंग” पर 02–06 अप्रैल 2018 तक पांच दिन के अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीमा सड़क संगठन, भारत सरकार से 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



- सीएसआईआर—सीआरआरआई ने विभिन्न संगठनों (यथा सिडको, राइट्स, पीएमजीएसवाई, पीडब्ल्यूडी, सीजीआरआरडीए आदि) के इंजीनियरों के लिए “गुणवत्ता आश्वासन, स्वास्थ्य मूल्यांकन और पुल का पुनर्वास” पर 25–29 जून 2018 तक पांच दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत के विभिन्न हिस्सों से 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया था।



- सीएसआईआर—सीआरआरआई ने “यातायात इंजीनियरी और सड़क सुरक्षा ऑडिट” पर 16–20 जुलाई 2018 तक पांच दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सीएसआईआर—सीआरआरआई के निदेशक, प्रो सतीश चंद्र ने किया और इसमें भारत के विभिन्न हिस्सों के 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



- सीएसआईआर—सीआरआरआई ने “सुनम्य कुट्टिम में डिजाइन, निर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण” पर 06–10 अगस्त 2018 तक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सीएसआईआर—सीआरआरआई के निदेशक, प्रो सतीश चंद्र ने किया और इसमें भारत के विभिन्न हिस्सों के 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया।





- सीएसआईआर-सीआरआरआई ने एनडीएमए (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) और भारत के विभिन्न अन्य संगठनों के इंजीनियरों के लिए 06-07 सितंबर 2018 तक “भूस्खलन शमन और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना” पर दो दिन तदनुकूलित सह नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सीएसआईआर-सीआरआरआई के निदेशक, प्रो सतीश चंद्र ने किया और इसमें एनडीएमए के 21 प्रतिभागियों और विभिन्न संगठनों के 11 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



- सीएसआईआर-सीआरआरआई ने “दृढ़ कुट्टिमों का डिजाइन, निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण और रखरखाव” पर 10-14 सितंबर 2018 तक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन सीएसआईआर-सीआरआरआई के निदेशक प्रो सतीश चंद्र ने किया और इसमें 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



नए विभागाध्यक्ष/नियुक्ति/स्थानांतरण

अनुभागों/प्रभागों के प्रमुख

दिनांक 01/05/2018 से प्रभावी अनुभागों/प्रभागों के नए नाम और उनके प्रमुख –

डॉ. पी एस प्रसाद, प्रमुख, भूतकनीकी अभियांत्रिकी (जीटीई)

डॉ संगीता, प्रमुख, सुनम्य कुट्टिम (एफपी)

डॉ राकेश कुमार, प्रमुख, दृढ़ कुट्टिम (आरपी)

श्री प्रदीप कुमार, प्रमुख, कुट्टिम मूल्यांकन (पीई)

श्री सुभाष चंद, प्रमुख, यातायात अभियांत्रिकी और सुरक्षा (टीईएस)

डॉ रविन्द्र कुमार, प्रमुख, परिवहन योजना और पर्यावरण (टीपीई)

श्री जी के साहू, प्रमुख, सेतु अभियांत्रिकी एवं संरचना प्रभाग (बीईएस)

डॉ नीलम जे गुप्ता, प्रमुख, सूचना, संपर्क और प्रशिक्षण (आईएलटी)

डॉ बी.के. दुरई, सलाहकार, अनुसंधान एवं विकास और व्यवसाय विकास

श्री पीवी प्रदीप कुमार, प्रमुख, आयोजना, अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन (पीएमई)

श्री अशोक कुमार, प्रभारी बागवानी

श्री नरेश कुमार शर्मा, समन्वयक, यांत्रिक और परिवहन (एमएटी)

श्री विवेक दुबे, प्रमुख, कंप्यूटर केंद्र एवं नेटवर्क (सीसीएन)

सुश्री नीरा अग्रवाल, प्रमुख, प्रलेखन एवं पुस्तकालय सेवाएं (डीएलएस)

श्री ए के जैन, प्रमुख, अनुरक्षण प्रभाग और गुणवत्ता प्रबंधन सेवा (एमडी) और (क्यूएमएस)

श्री ए के जैन, प्रबंधन प्रतिनिधि (एमआर)

श्री ए के त्रिपाठी, प्रमुख, महारानी बाग स्टाफ क्वार्टर (एमबीएसक्यू)

डॉ राजीव गोयल, समन्वयक अधिकारी, एमबीएसक्यू और बागवानी

प्रशासन (प्रशा.)

श्री अंजुम शर्मा, प्रशासन नियंत्रक (सीओए)

श्री पदम सिंह, वरिष्ठ वित्त और लेखा नियंत्रक (वरिष्ठ सीओएफएंडए)

श्री तारिक बदर, भंडार व क्रय नियंत्रक (सीओएसएंडपी)

श्री अवनीश कुमार, वित्त व लेखा अधिकारी (एफएंडएओ)

सीएसआईआर–सीआरआरआई में कार्यग्रहण पर आपका स्वागत है

- श्री जितेन्द्र कुमार गिरि ने 17 अप्रैल 2018 से प्रभावी वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (2) पर कार्यग्रहण किया। (सीएसआईआर मुख्यालय, नई दिल्ली से सीएसआईआर–सीआरआरआई में हस्तांतरित)
- श्री आर डी चिंचुलकर ने 24 अप्रैल 2018 से प्रभावी भंडार व क्रय अधिकारी पर कार्यग्रहण किया। (सीएसआईआर– एमपी, भोपाल से सीएसआईआर–सीआरआरआई में हस्तांतरित)
- श्री ओम प्रकाश यादव ने 14 जून 2018 से प्रभावी वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (2) पर कार्यग्रहण किया। (सीएसआईआर–सीआईएमएफआर, धनबाद से सीएसआईआर–सीआरआरआई में हस्तांतरित)

सीएसआईआर–सीआरआरआई में नियुक्ति/नया कार्यग्रहण पर आपका स्वागत है

क्रं. सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	कार्यग्रहण की तिथि
1	श्री निमिष मिश्रा	कनिष्ठ सचिवालय सहायक (जी)	05.04.2018
2	श्री अनिरुद्ध कुमार	कनिष्ठ सचिवालय सहायक (जी)	27.04.2018
3	श्री अमन मलिक	कनिष्ठ सचिवालय सहायक (एफएंडए)	29.06.2018

सेवानिवृत्ति

इस अवधि के दौरान संस्थान की सेवा से निम्नलिखित कर्मचारी सेवानिवृत्ति हुए। सीएसआईआर—सीआरआरआई वेलफेयर समिति ने उन सभी को भव्य विदाई देने के लिए समारोह आयोजित किए।

नाम, पदनाम, सेवानिवृत्ति की तिथि



श्री एस के बिस्वास
वरिष्ठ तकनीशियन
27-04-2018 को



श्री बलबीर सिंह
टीएसएस
27-04-2018 को



श्रीमती सुष्मा बहल
लैब सहायक
27-04-2018 को



श्री जामदार महतो
लैब सहायक
31-05-2018 को



श्री वाई वी राव
प्रिंसिपल तक. अधिकारी
31-05-2018 को



श्री जय प्रकाश शुक्ला
टीएसएस
29-06-2018 को



श्री सुधीर माथुर
मुख्य वैज्ञानिक
31-07-2018 को



श्री सी एम कुकरेती
सहायक (जनरल) ग्रेड. II
31-07-2018 को



श्रीमती नीलम पाटिलिक
सहायक (एफएंडए) ग्रेड.I
31-07-2018 को

निधन—सूचना



अत्यंत दुख एवं खेद के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे प्रिय सहकर्मी प्रो. (डॉ.) डी. वी. सिंह, पूर्व निदेशक, सीएसआईआर—सीआरआरआई और पूर्व उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, कुलपति, रुड़की विश्वविद्यालय और निदेशक, आईआईटी, रुड़की, का 20 जुलाई 2018 को निधन हो गया है। प्रो. (डॉ.) डी. वी. सिंह की मृत्यु पर दुख प्रकट करते हुए हम शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे।

